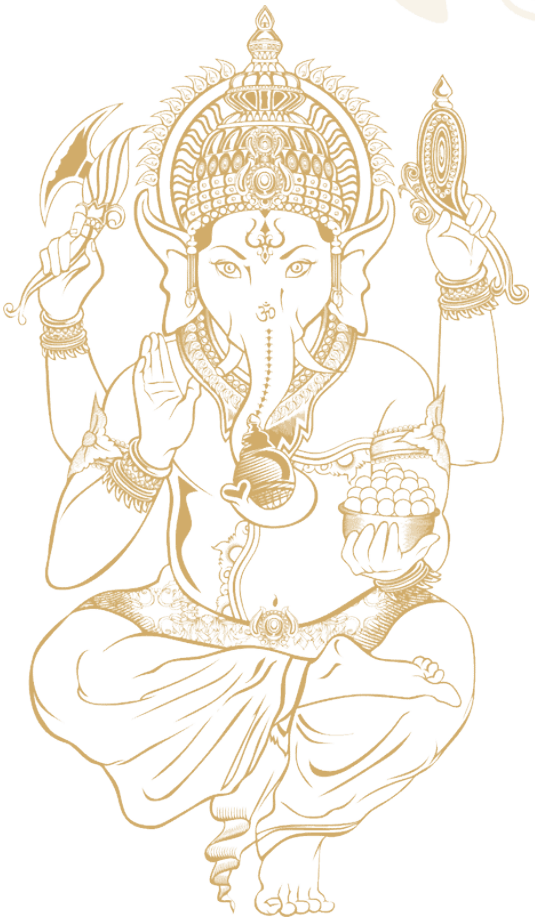

Varun Thakur

14 Sep 2006

06:35 AM

Mukerian

Model: web-freekundliweb

Order No: 120904409

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/09/2006**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**06:35:00 घंटे**
इष्ट	01:00:58 घटी
स्थान	**Mukerian**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:57:00 उत्तर
रेखांश	75:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:07:28 घंटे
वेलान्तर	00:04:18 घंटे
साम्पातिक काल	05:38:58 घंटे
सूर्योदय	06:10:36 घंटे
सूर्यास्त	18:35:13 घंटे
दिनमान	12:24:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:08:26 सिंह
लग्न के अंश	01:32:25 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:32:25	309:34:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			सिंह	27:08:26	00:58:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			वृष	21:56:21	13:19:46	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	कन्या	09:50:34	00:38:55	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	कन्या	08:02:19	01:41:51	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु			तुला	21:29:44	00:10:04	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	15:41:09	01:14:24	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			कर्क	25:33:46	00:06:57	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	01:25:39	00:00:22	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु			कन्या	01:25:39	00:00:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:27:18	00:02:22	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:36:30	00:01:18	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	00:08:53	00:00:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	01:13:29	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:04

लग्न-चलित

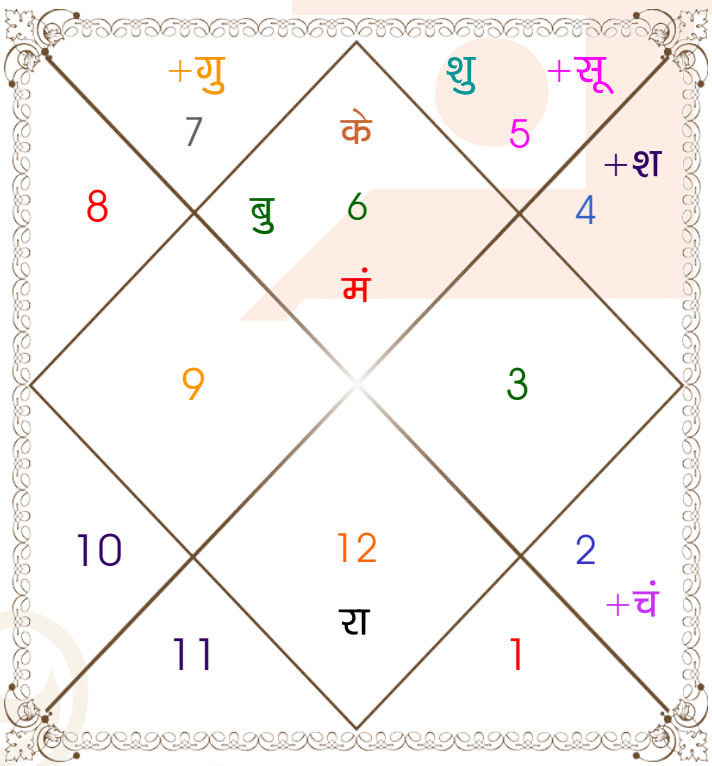

चन्द्र कुंडली

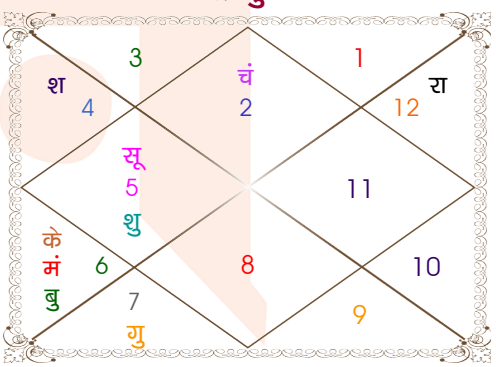

नवमांश कुंडली

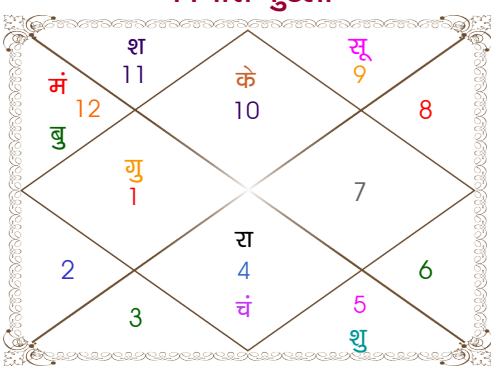

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 0 मास 16 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/09/2006		01/10/2007		30/09/2014		30/09/2032		30/09/2048	
01/10/2007		30/09/2014		30/09/2032		30/09/2048		01/10/2067	
	00/00/0000	मंगल	27/02/2008	राहु	13/06/2017	गुरु	18/11/2034	शनि	04/10/2051
	00/00/0000	राहु	16/03/2009	गुरु	06/11/2019	शनि	31/05/2037	बुध	13/06/2054
	00/00/0000	गुरु	20/02/2010	शनि	12/09/2022	बुध	06/09/2039	केतु	23/07/2055
	00/00/0000	शनि	01/04/2011	बुध	01/04/2025	केतु	12/08/2040	शुक्र	21/09/2058
	00/00/0000	बुध	28/03/2012	केतु	19/04/2026	शुक्र	13/04/2043	सूर्य	03/09/2059
	00/00/0000	केतु	24/08/2012	शुक्र	19/04/2029	सूर्य	30/01/2044	चंद्र	04/04/2061
	14/09/2006	शुक्र	25/10/2013	सूर्य	14/03/2030	चंद्र	31/05/2045	मंगल	13/05/2062
शुक्र	01/04/2007	सूर्य	01/03/2014	चंद्र	12/09/2031	मंगल	07/05/2046	राहु	19/03/2065
सूर्य	01/10/2007	चंद्र	30/09/2014	मंगल	30/09/2032	राहु	30/09/2048	गुरु	01/10/2067

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/10/2067		30/09/2084		01/10/2091		02/10/2111		01/10/2117	
30/09/2084		01/10/2091		02/10/2111		01/10/2117		00/00/0000	
बुध	26/02/2070	केतु	26/02/2085	शुक्र	30/01/2095	सूर्य	19/01/2112	चंद्र	02/08/2118
केतु	24/02/2071	शुक्र	28/04/2086	सूर्य	30/01/2096	चंद्र	20/07/2112	मंगल	03/03/2119
शुक्र	24/12/2073	सूर्य	03/09/2086	चंद्र	30/09/2097	मंगल	25/11/2112	राहु	01/09/2120
सूर्य	31/10/2074	चंद्र	04/04/2087	मंगल	30/11/2098	राहु	19/10/2113	गुरु	01/01/2122
चंद्र	31/03/2076	मंगल	31/08/2087	राहु	01/12/2101	गुरु	08/08/2114	शनि	02/08/2123
मंगल	29/03/2077	राहु	18/09/2088	गुरु	01/08/2104	शनि	21/07/2115	बुध	31/12/2124
राहु	16/10/2079	गुरु	25/08/2089	शनि	02/10/2107	बुध	26/05/2116	केतु	01/08/2125
गुरु	21/01/2082	शनि	03/10/2090	बुध	02/08/2110	केतु	01/10/2116	शुक्र	15/09/2126
शनि	30/09/2084	बुध	01/10/2091	केतु	02/10/2111	शुक्र	01/10/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 0 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।